अमेरिका की बड़ी कार्रवाई, 52 पाकिस्तानी नागरिकों को देश से निकाला

पाकिस्तान के विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी के अनुसार अमेरिकी अधिकारियों ने आव्रजन उल्लंघन, आपराधिक आचरण और अन्य गंभीर आरोपों के आधार पर पाकिस्तानी नागरिकों को हिरासत में लिया और मुकदमा चलाया.

इस्लामाबाद : एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

अमेरिका ने 52 पाकिस्तानी प्रवासियों को स्वदेश भेज दिया है. ये प्रवासी कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच विशेष विमान से इस्लामाबाद पहुंचे. गुरुवार को मीडिया में आई खबरों में यह जानकारी दी गई. पाकिस्तान के विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने मंगलवार को पाकिस्तान की नेशनल असेंबली की विदेश मामलों संबंधी स्थायी समिति को सूचित किया कि अमेरिकी अधिकारियों ने आव्रजन उल्लंघन, आपराधिक आचरण और अन्य गंभीर आरोपों के आधार पर पाकिस्तानी नागरिकों को हिरासत में लिया और मुकदमा चलाया.

'डॉन' अखबार ने आव्रजन सूत्रों के हवाले से खबर दी कि कि 53 पाकिस्तानी नागरिकों को स्वदेश आना था, लेकिन बुधवार को 52 नागरिक ही देश पहुंचे क्योंकि एक शख्स अमेरिकी हवाईअड्डा पर बीमार हो गया था, इसलिए उसे स्वदेश नहीं भेजा जा सका. पाकिस्तानी नागरिक जब इस्लामाबाद अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर उतरे तब अमेरिकी सुरक्षा अधिकारी उनकी सुरक्षा कर रहे थे. विमान के उतरने के तुरंत बाद उन्होंने इन नागरिकों को पाकिस्तानी अधिकारियों के सुपुर्द कर दिया.

खबर के अनुसार ट्रंप प्रशासन ने वीजा की अवधि खत्म होने के बावजूद अमेरिका में रह रहे विदेशियों के खिलाफ हाल में मुहिम शुरू की है. ये 52 पाकिस्तानी वैसे विदेशी नागरिक थे जो अमेरिका में तय अवधि से अधिक समय से रह रहे थे.

कुरैशी ने यह भी पुष्टि की कि अमेरिका में रह रहे कई पाकिस्तानी नागरिकों को स्वदेश भेजने को लेकर दोनों देशों के बीच विवाद के बाद अमेरिका ने तीन वरिष्ठ पाकिस्तानी अधिकारियों को वीजा देने से इनकार कर दिया है. मंत्री ने मंगलवार को बताया कि अमेरिकी वीजा प्रतिबंधों का सामना कर रहे पाकिस्तानी अधिकारियों में एक अतिरिक्त सचिव, गृह मंत्रालय के एक संयुक्त सचिव और पासपोर्ट महानिदेशक शामिल हैं.

इस बीच एक अलग विमान से यूनान से स्वदेश भेजे गये नौ पाकिस्तानी अवैध प्रवासियों को इस्लामाबाद अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा पहुंचने पर हिरासत में ले लिया गया तथा उन्हें एफआईए के मानव तस्करी रोधी प्रकोष्ठ में भेजा गया है.

एफआईए अधिकारी ने बताया कि यूनान से स्वदेश भेजे गये पाक नागरिकों को आगे की कानूनी कार्यवाही के लिए जेल में रखा गया है. वे भूमार्ग से यूरोप गये थे, जहां बाद में यूनानी अधिकारियों ने उन्हें हिरासत में ले लिया था.

उन्होंने बताया, चूंकि ये सभी पंजाब प्रांत के गुजरात जिले के रहने वाले हैं इसलिए उन्हें आगे की कानूनी कार्यवाही के लिये ''एफआईए गुजरांवाला'' भेजा जाएगा.

कैलिफोर्निया में एफ-16 विमान दुर्घटनाग्रस्त, पायलट ने ऐसे बचाई जान

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

रिवरसाइड.कैलिफोर्निया में 'मार्च एयर रिजर्व बेस' के बाहर एक गोदाम में बृहस्पतिवार को एफ-16 लड़ाकू विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया लेकिन दुर्घटना के ठीक पहले पायलट विमान से कूद गया था. बेस के नागरिक मामलों के निदेशक मेजर पेरी कोविंगटन ने बताया कि पायलट को कोई चोट नहीं आयी है.

इमारत के भीतर हुआ छेद

टेलीविजन समाचारों में दिखाया जा रहा है कि लॉस एंजिलिस से करीब 105 किलोमीटर पूर्व में इमारत के भीतर छत पर एक बड़ा छेद हो गया है. मोबाइल से ली गई तस्वीरों और वीडियो में विमान का पिछला हिस्सा मुड़ा हुआ और गत्ते के बक्से का ढेर दिखाई दे रहा है.

दुर्घटना से पहले आई बहुत तेज आवाज गोदाम में काम करने वाले एक कर्मचारी डेनियल गालेगोस ने बताया कि उन्हें विमानों के आने और जाने की आवाजें आती रहती है लेकिन दुर्घटना से पहले की आवाज बहुत तेज थी. मार्च एयर रिजर्व बेस के उप दमकल प्रमुख तिमोथी होलीडे ने बताया कि दुर्घटना तब हुई जब पायलट नियमित प्रशिक्षण के बाद लैंडिंग कर रहा था. उन्होंने कहा, ''पायलट को हाइड्रोलिक दिक्कतें आयी. उसने विमान पर से नियंत्रण खो दिया.''

गोदाम को हुआ मामूली नुकसान

उन्होंने बताया कि गोदाम को मामूली नुकसान पहुंचा है और कोई बड़ी आग नहीं लगी जिसे उन्होंने 'चमत्कार' बताया. उन्होंने बताया विमान में केवल पायलट सवार था और उसे चिकित्सा जांच के लिए अस्पताल ले जाया गया.

मीटिंग में बैठे थे ताकतवर देशों के अधिकारी, भारतीय अधिकारियों ने चीन के सामने ही पाकिस्तान पर दाग दिए कठोर सवाल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

इस्लामाबाद : आतंकवाद के मुद्दे पर पाकिस?तान को वैश्विक समुदाय के सामने भारत की ओर से एक बार फिर मुंह की खानी पड़ी. पाकिस्तान को मनी लॉन्ड्रिंग और टेरर फाइनेंसिंग के खिलाफ उसके प्रयासों की प्रभावशीलता पर ऐसे कठोर सवालों का सामना करना पड़ा, जिसका उसके पास कोई जवाब ही नहीं था.

भारत ने एशिया-पैसिफिक ग्रुप (APG) की फेस-टू-फेस मीटिंग में पाकिस्तान पर एक के बाद एक कठोर सवाल दागे. पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल इनका कोई प्रभावी जवाब नहीं दे पाया. खास बात यह है कि पाकिस्तान को अपने मित्र देश चीन में इन सवालों का सामना करना पड़ा.

पाकिस्तान के वित्त सचिव मोहम्मद यूनुस दागा ने दस सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल के साथ चीन के गुआंगज़ौ में आयोजित इस दो दिवसीय बैठक में शिरकत की. इस दौरान उन्होंने समूह को मुद्रा तस्करी के खिलाफ पाकिस्तान द्वारा की गई अद्यतन कार्रवाइयों के बारे में जानकारी दी.

दक्षिण अफगानिस्तान में हुए हवाई हमले, 17 पुलिसकर्मियों की मौत, कई घायल

तत्काल यह साफ नहीं हो पाया है कि अफगानिस्तान या अमेरिकी बलों में से किसने यह हवाई हमला किया. काबुल में अमेरिकी सेना से तत्काल कोई जवाब नहीं मिला है. हालांकि इस बारे में अमेरिकी सेना ने हमेशा अफगानिस्तानी सैनिकों का समर्थन ही किया है.

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

काबुल: अफगानिस्तान के दक्षिणी हेलमंड प्रांत की राजधानी लश्कर गाह के बाहरी इलाके में तालिबान के साथ लड़ाई के दौरान गलती से हुए हवाई हमले में 17 पुलिसकर्मियों की मौत हो गयी. प्रांतीय परिषद के प्रमुख अताउल्ला अफगान ने बताया कि हवाई हमला बृहस्पतिवार को उस वक्त हुआ जब अफगान पुलिस शहर के पास तालिबान के साथ जंग लड़ रही थी. उन्होंने बताया कि हमले में 14 पुलिसकर्मी घायल हुए हैं. तत्काल यह साफ नहीं हो पाया है कि अफगानिस्तान या अमेरिकी बलों में से किसने यह हवाई हमला किया. काबुल में अमेरिकी सेना से तत्काल कोई जवाब नहीं मिला है. हालांकि इस बारे में अमेरिकी सेना ने हमेशा अफगानिस्तानी सैनिकों का समर्थन ही किया है.

हेलमंड के गवर्नर मोहम्मद यासिन ने कहा है कि हवाई हमले की जांच की जा रही है. तालिबान की ओर से जारी बयान में इस हमले के लिये अमेरिकी बलों को जिम्मेदार बताया गया है.